Result Mitra Daily Magazine

डॉ. जय भट्टाचार्य, अमेरिका के नए NIH निदेशक

➢ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल के डॉ. जय भट्टाचार्य को अमेरिका की चिकित्सा अनुसंधान एजेंसी, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ (NIH, National Institute of Health) के निदेशक के रूप में नामित किया है।
- NIH भारत के भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR, Ind Council of Medical Research) के बराबर है लेकिन NIH का बजट ICMR से कई गुना ज्यादा है।
- डॉ. जय भट्टाचार्य को 27 नवंबर को NIH के निदेशक के रूप में नामित किया गया।
- डॉ. जय भट्टाचार्य Covid–19 महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में मास्क अनिवार्यता और बार-बार बूस्टर शॉट्स लगाने के प्रखर विरोधी रहे।
- डॉ. जय भट्टाचार्य रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर के साथ काम करेंगे, जो डोनाल्ड ट्रंप सरकार में स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग के सचिव नियुक्त किए गए हैं।

➢ डॉ. जय भट्टाचार्य कौन है ?

- डॉ. जय भट्टाचार्य अमेरिका स्थित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य नीति और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं।

- स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से ही डॉ. जय भट्टाचार्य ने एमडी (MD) और पीएचडी (PHD) की पढ़ाई पूरी की है।
- डॉ. भट्टाचार्य उम्र बढ़ने की जनसांख्यिकी और अर्थशास्त्र पर स्टैनफोर्ड केंद्र के निदेशक भी है।
- डॉ. भट्टाचार्य का शोध कमजोर आबादी को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन की गई सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभाव से संबंधित है।
- डॉ. भट्टाचार्य ने जापान में बुजुर्गों के बीच मनोभ्रंश (Dementia) और कमजोरी की व्यापकता से संबंधित विभिन्न विषयों पर कई शोध पत्र लिखे है।
- 2022 में कोविड–19 महामारी के दौरान उनके द्वारा लिखे गए लेख में कहा गया कि पूर्व एशिया के देशों जापान और कोरिया के लोगों में कोविड–19 महामारी के पहले वर्ष के दौरान कम संक्रमण दर वहां के लोगों की अद्वितीय प्रतिरक्षा तंत्र के कारण थी।
- वर्ष 2024 में उनके द्वारा लिखे गई लेख इटली में "शरणार्थी संकट" पर स्वास्थ्य के प्रभाव पर केंद्रित था।
- इस लेख में उन्होंने लिखा कि शरणार्थी प्रवाह वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि हुई जो किसी भी देश की राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की स्थिरता के लिए समस्या पैदा कर सकता है।
- वर्ष 2016 में डॉ. जय भट्टाचार्य ने बराक ओबामा सरकार द्वारा चलाई गई किफायती देखभाल अधिनियम जिसे ओबामाकेयर भी कहा जाता है पर निष्कर्ष निकालते हुए एक लेख में लिखा था कि इसके कारण अमेरिका में "कैंसर" जैसी घातक बीमारी की स्क्रीनिंग में अमेरिकी लोगों को लाभ हुआ है।
- ज्ञातव्य है कि ओबामाकेयर के तहत "कॉलोनीस्कोपी" जैसी सेवाएं प्रदान की गई थी जो कोलोरेक्टल कैंसर का पता लगाने में मदद करती है।

➢ डॉ. भट्टाचार्य द्वारा प्रकाशित ग्रेट बैरिंगटन घोषणा क्या थी एवं यह विवादास्पद क्यों था?

- डॉ. जय भट्टाचार्य की अमेरिका के लोगों के बीच प्रसिद्धि का कारण कोविड–19 महामारी के दौरान विभिन्न अमेरिकी सरकार की नीतियों की उनके द्वारा की गई आलोचना थी।
- वर्ष 2020 के अक्टूबर में उनके द्वारा प्रकाशित एक खुला पत्र "ग्रेट बैरिंगटन डिक्लेरेशन" काफी चर्चा में रही।
- इस घोषणा में उन्होंने लिखा कि कोविड–19 महामारी के दौरान लगाया गया लॉकडाउन अमेरिकी लोगों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाएगा।
- इसके अलावा उन्होंने कहा कि कोविड–19 के दौरान लगाए गए लॉकडाउन ने अमेरिकी लोगों में हृदयरोग, कैंसर, बिगड़ता मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देगा, जो आने वाले वर्षों में अमेरिका में अधिक मृत्यु दर का कारण बनेगा।

- डॉ. भट्टाचार्य की ग्रेट बैरिंगटन घोषणा कोविड–19 की डेल्टा लहर से पहले आई थी और इस डेल्टा लहर में कई अमेरिकी युवा मारे गए थे।
- चूंकि ग्रेट बैरिंगटन घोषणा में डॉ. भट्टाचार्य ने लॉकडाउन पर आपत्ति जताई थी और इसके बाद आई डेल्टा लहर में काफी अमेरिकी लोग मारे गए थे, इसीलिए यह घोषणा विवाद का कारण बन गया।

➢ NIH क्या है ?

- NIH यानि अमेरिका की चिकित्सा अनुसंधान एजेंसी अमेरिका की 27 प्रमुख स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थानों का एक समूह है, जो पोषण संबंधी पूरक, व्यवहार और सामाजिक विज्ञान, महिलाओं के स्वास्थ्य और कैंसर जैसी विभिन्न बीमारियों के संबंध में अध्ययन करता है।
- NIH का वार्षिक बजट 48 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो इसे दुनिया में सबसे बड़ा सार्वजनिक वित्तपोषक बायोमेडिकल अनुसंधान संस्थान बनाता है।
- NIH की तुलना में भारतीय ICMR का बजट सिर्फ 323 मिलियन अमेरिकी डॉलर (2732.13 करोड़) है।
- NIH निदेशक के रूप में डॉ. भट्टाचार्य NIH के लिए धन निवेश करने के लिए सीधे अमेरिकी कांग्रेस से बातचीत करेंगे।
- NIH निदेशक अमेरिकी प्रशासन को समय–समय पर स्वास्थ्य नीति के कुछ पहलुओं पर विशेषज्ञ सलाह भी प्रदान करता है और संघीय सरकार के उच्च कार्यालयों में अमेरिकी बायोमेडिकल समुदाय के लिए आवाज भी उठाता है।

➢ ICMR क्या है ?

- ICMR (Indian Council of Medical Research) यानि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद भारत में जैव चिकित्सा अनुसंधान के निर्माण, समन्वय और संवर्धन के लिए सबसे बड़ा चिकित्सा अनुसंधान निकाय है।
- ICMR को भारत सरकार के अंतर्गत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है।
- वर्ष 1911 में ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में चिकित्सा अनुसंधान को प्रायोजित एवं समन्वय करने के उद्देश्य से "भारतीय अनुसंधान निधि संघ" (IRFA) की स्थापना की गई थी।
- भारत की आजादी के बाद वर्ष 1949 में इसे भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) के रूप में पुनः नामित किया गया।
- ICMR की अध्यक्षता भारत के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री करते है।
- ICMR मुख्य रूप से तपेदिक, कुष्ठ रोग, हैजा, डायरिया, रोटावायरस, डेंगू, कोविड–19, रबोलावायरस, इन्फ्लूएंजा, जापानी इंसेफेलाइटिस, एड्स, मलेरिया, कालाजार, वेक्टर नियंत्रण, प्रजनन, जैसी विशिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए कार्य करता है।

➢ प्रमुख ICMR अनुसंधान केंद्र :

- राष्ट्रीय पोषण संस्थान (NIN)– हैदराबाद
- राष्ट्रीय पशु संसाधन जैव चिकित्सा अनुसंधान संस्थान – हैदराबाद
- राष्ट्रीय क्षय रोग अनुसंधान संस्थान (NIRT)– चेन्नई
- राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान – चेन्नई
- राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान – चेन्नई
- राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान – दिल्ली
- राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान – मुंबई
- राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान – पुणे
- राष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान – बेलगावी
- वेक्टर नियंत्रण अनुसंधान केंद्र – पुडुचेरी
- राष्ट्रीय जीवाणु संक्रमण अनुसंधान संस्थान – कोलकाता

में उनकी